दिल्ली खेल समाचार

सिद्धार्थ नागपाल के शानदार खेल से एम एल सी अकैडमी की पुष्ट राइजिंग कप क्रिकेट में शानदार जीत

स्पोर्ट्स एज

मेन ऑफ दा मैच सिद्धार्थ नागपाल के हरफनमोला खेल 39 रन ओर 3/11 भास्कर कुमार 3/9 अर्जुन शर्मा 3/11 के शानदार खेल की बदोलत एम एल सी अकैडमी ने लक्षमण पब्लिक स्कूल में खेले जा रहे पुश राइजिंग क्रिक्रेट कप में पुश एल पी एस टीम को 7 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की पराजीत टीम की ओर से आदर्श कुमार ने 21 रानो की पारी खेली।

पुश एल पी एस 65 आल आउट 19 ओवर आदर्श कुमार ने 21 सिद्धांत नागपाल 3/11 अर्जुन शर्मा 3/11भास्कर कुमार 3/9।

एम एल सी अकादमी 67 फॉर 3 इन 14 ओवर सिद्धार्थ नागपाल 39।

द्वितीय स्व.ओम बिरला मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट

दिल्ली क्रिकेट हब ने टेलीफंकन क्रिकेट क्लब को 60 रन से हराया

स्पोर्ट्स एज

द्वितीय स्व. ओम बिरला मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन जोकि स्व. श्री ओम प्रकाश बिरला ट्रॉफी के लिए कराया जाता है मे आज का मुकाबला टेलीफंकन क्रिकेट क्लब और दिल्ली क्रिकेट हब के मध्य खेला गया जिसमे टेलीफंकन क्लब ने टॉस जीतकर पहले गेन्दबाज़ी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली क्रिकेट हब की टीम ने निर्धारित 30 ओवर मे 7 विकेट पर 207 रन बनाए जिसमे नूर मोहम्मद ने 83, लक्ष्य ने 58, नमन ने 22 जबकि सार्थक ने 20 रनो की पारी खेली। टेलीफंकन क्रिकेट क्लब की तरफ से गेन्दबाज़ी करते हुए सक्षम, सुबिनय और विशु त्यागी ने दो दो विकेट लिए जबकि विग्नेश को एक विकेट मिला । जवाबी पारी खेलने उतरी टेलीफंकन क्रिकेट क्लब की टीम 30 ओवर मे 8 विकेट खोकर 147 रन ही बना पाई और यह मैच 60 रनो से हार गई। शौर्य सेठ ने 46, सक्षम और करण ने 29 29 जबकि चिन्मय और विग्नेश ने 10 10 रनो का योगदान दिया। दिल्ली क्रिकेट हब की तरफ से साईंश ने तीन, गुरनूर और शौर्य ने दो दो विकेट लिए जबकि पवन को एक विकेट मिला। नूर मोहम्मद को मेन ऑफ़ द मैच चुना गया। इस अवसर पर आयोजक वरिष्ठ क्रिकेटर श्री संजीव शर्मा और आलोक बिरला भी उपस्थित थे।

जतिन कादयान की घातक गेंदबाजी से पेलिकन क्रिकेट क्लब की 26 वे साहिबजादा अजित सिंह क्रिकेट कप में शानदार जीत

स्पोर्ट्स एज

मेन ऑफ द मैच जतिन कादयान की घातक गेंदबाजी 4 विकेट 32 रन देकर सिद्धार्थ सिंह 3/38 पर्व सिंगला 54 विकास 57 के शानदार खेल की बदोलत पेलिकन क्रिक्रेट क्लब ने गुरु गोविंद सिंह कॉलेज पीतमपुरा ने खेले जा रहे 26 वे आल इंडिया साहिबजादा अजित सिंह प्राइज मनी क्रिकेट टूर्नामेंट में रोहतक रोड जिमखाना को रोमांचक मैच ने 2 विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। रोहतक रोड जिमखाना टीम की ओर से सुमित माथुर ने शानदार 93 रन ओर 3 विकेट 21 रन देकर लिए। रुशल सैनी 39 का खेल शानदार रहाद्व मेन ऑफ द मैच जतिन कादयान को सीनियर अंपायर रवि रावत जी ने दिया।

रोहतक रोड जिमखाना: 233 रन आलआउट 39 ओवर सुमित माथुर 93, रुशाल सैनी 39, जतिन कादयान 4/32 रन, सिद्धार्थ सिंह 3/33।

पेलिकन क्लब: 228 रन 8 विकेट 37 ओवर पर्व सिंगला 54 विकास 57 सुमित माथुर 3/21।

अभिनव सिंह का पुश राइजिंग क्रिक्रेट कप में शानदार खेल

स्पोर्ट्स एज

मेन ऑफ दा मैच अभिनव सिंह के हरफनमोला खेल 16 नॉट आउट और 2 विकेट 8 रन देकर धैर्य सहा चावला 2/16 अक्षत पराशर 59 आरव श्रीवास्तव 28 के शानदार खेल की बदौलत पुश डोम टीम ने लक्षमण पब्लिक स्कूल में खेले जा रहे पुश राइजिंग क्रिक्रेट कप में पुश ट्यूलिप अकादमी को 25 रानो से हराकर शानदार जीत दर्ज की पराजीत टीम की ओर से आदित्य शर्मा ने 28 रानो की पारी और विख्यात ने 3 विकेट 22 रन देकर लिए

पुश डोम 179 फॉर 8 इन 40 ओवर अक्षत पराशर 59 आरव श्रीवास्तव 28 अभिनव 16 नॉट आउट विख्यात ने 3 विकेट 22 रन देकर लिए।

पुश ट्यूलिप 154 आल आउट 37 ओवर आदित्य शर्मा ने 28 रानो विवान पटेल 25 अभिनव सिंह 2/8 धैर्य सहा चावला 2/16।

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान के प्रोफेसरों ने वेटरन्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीते पदक

स्पोर्ट्स एज

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों प्रो. संदीप तिवारी, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. राजबीर सिंह, डॉ. मान सिंह, और डॉ. एकता भूषण संतसंगी, ने वेटरन्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीते। वेटरन्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप 23.12.2023 को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित की गई थी। यह कार्यक्रम दिग्गजों के एथलेटिक कौशल का सम्मान करने और जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया था।

प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित वेटरन्स एथलेटिक चैंपियनशिप में विभिन्न विषयों के अनुभवी एथलीटों ने अपनी खेल भावना और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। हमारे संकाय सदस्यों ने जुनून और दृढ़ संकल्प के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए विभिन्न ट्रैक और फील्ड कार्यक्रमों में भाग लिया एवं पदक जीतें जो उनके समर्पण और एथलेटिक कौशल का उदाहरण है।

वेटरन्स एथलेटिक चैंपियनशिप में आईजीपीईएसएस के संकाय सदस्यों की उपलब्धि न केवल फिटनेस और कल्याण के प्रति उनके व्यक्तिगत समर्पण को दर्शाती है, बल्कि संस्थान को सम्मान और मान्यता भी दिलाती है। उनकी सफलता उम्र की परवाह किए बिना स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने के महत्व का प्रमाण है।

नए साल पर कुल्लू-मनाली में 90 फीसदी होटल बुक, 1 लाख टूरिस्ट आने की उम्मीद

कुल्लू । हिमाचल प्रदेश के कुल्लू-मनाली में 90 फीसदी होटल बुक हो गए हैं । यहां एक लाख के लगभग पर्यटकों के आने की संभावना बनी हुई है । होटल मा ?लिकों ने पर्यटकों सुविधा के लिए सभी तरह के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं । ऐसे में माना जा रहा है कि कुल्लू और मनाली में नए साल के जश्न के लिए लाखों टूरिस्ट आने की उम्मीद जगी है । जिला पर्यटन विकास अधिकारी सुनयैना शर्मा ने बताया कि बीते सप्ताह क्रिसमस सेलिब्रेशन के लिए कुल्लू में डेढ़ लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे । कुल्लू-मनाली में पर्यटकों में नए साल के लिए भारी उत्साह दिख रहा है और हर रोज हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं । उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह ग्रीन टैक्स बैरियर से 12000 से अधिक पर्यटक वाहन गुजरे हैं । इसमें लोकल टैक्सियां और वोल्वो बसें शामिल नहीं है । उन्होंने कहा कि कुल्लू मनाली में 90 प्र ?तिशत से अधिक ऑक्युपेंसी न्यू ईयर के लिए एडवांस बुक हुई है । ऐसे में पिछली बार से इस बार ज्यादा संख्या में टूरिस्ट कुल्लू मनाली पहुंच रहे हैं । यहां गौरतलब है कि अटल टनल पर 24 और 25 दिसंबर को 40 हजार से अधिक टूरिस्ट वाहनों की आवाजाही दर्ज हुई थी । मनाली में न्यू ईयर सेलिब्रेशन को लेकर खासा क्रेज है । ऐसे में हर साल यहां नए साल का जश्न मनाने के लिए सैलानी पहुंचते हैं । इतनी भीड़ होती है कि कई बार तो देखा गया है कि टूरिस्ट की रात गाड़ी में ही कटी है । शहर से 15 किमी दूर के होटल भी फुल रहते हैं । हिमाचल में नए साल पर बर्फबारी के आसार हैं । मौसम विभाग ने 29 दिसंबर से 1 जनवरी तक बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है । ऐसे में बर्फबारी की उम्मीद से भी सैलानी पहुंच रहे हैं । साथ ही लंबा सप्ताहांत भी एक वजह बताई जा रही है ।

रामलला के दर्शन की चाहत लेकर मुंबई से अयोध्या के लिए पैदल निकल पड़ी मुस्लिम युवती

मुंबई । भगवान श्रीराम किसी एक धर्म या व्यक्ति के नहीं है । वे घट घट में बसते हैं । जो उन्हे आदरभाव से याद करता है वे उसी के हो जाते है । यही राम की खासियत है । कुछ इसी तरह का आदरभाव मुंबई की शबनम के दिल में है । उन्होंने बिना किसी की परवाह किए रामलला के दर्शन करने मुंबई से पैदल ही 1425 किलोमीटर के सफर पर निकल पड़ी हैं । उनकी भक्ति की राह में उसका मुस्लिम होना रोड़े नहीं बन सका है । फिलहाल शबनम रोजाना 25-30 किलोमीटर का सफर तय कर मध्य प्रदेश के सेंधवा पहुंच चुकी है । शबनम ने 21 दिसंबर को अपनी यात्रा शुरू की थी । उसके साथ सहयोगी रमन राज शर्मा व विनीत पांडे भी हैं, जो साथ-साथ पैदल चल रहे हैं । शबनम की यात्रा को जो चीज अद्वितीय बनाती है, वह उसकी मुस्लिम पहचान के बावजूद भगवान राम के प्रति उसकी अटूट भक्ति है । शबनम गर्व से कहती हैं कि राम की पूजा करने के लिए किसी को हिंदू होने की आवश्यकता नहीं है, एक अच्छा इंसान होना मायने रखता है । फिलहाल वह करीब आधी यात्रा पूरी कर चुकी हैं । अयोध्या यात्रा के पीछे की प्रेरणा के बारे में पूछे जाने पर शबनम कहती हैं, भगवान राम सभी के हैं, चाहे उनकी जाति या धर्म कुछ भी हो । शबनम ने कहा कि उनका लक्ष्य इस गलत धारणा को

चुनौती देना भी है कि केवल लड़के ही ऐसी कठिन यात्राएं कर सकते हैं । शबनम की इस नेक यात्रा में पुलिस ने न केवल उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की है बल्कि उसके भोजन और आवास की व्यवस्था करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।लंबी तीर्थयात्रा से होने वाली थकान के बावजूद, तीनों युवाओं का कहना है कि राम के प्रति उनकी भक्ति उन्हें प्रेरित करती है । ये तीनों पहले से ही सोशल मीडिया स्टार बन चुके हैं और उनसे मिलने वाले कई लोग उनकी कहानी और तस्वीरें साझा कर रहे हैं । शबनम की इस यात्रा में बाधाएं भी आईं । महाराष्ट्र में संवेदनशील इलाकों से गुजरते समय पुलिस ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की और उन्हें कुछ परेशानी भरी स्थितियों से बाहर निकालने में भी मदद की । सोशल मीडिया पर कुछ घृणित टिप्पणियों के बावजूद, शबनम अपनी यात्रा के प्रति ना सिर्फ अटल और अविचल हैं बल्कि अयोध्या पहुंचने को लेकर उत्साहित हैं ।

नए साल के पहले सप्ताह में लैग्रेंज पॉइंट पर उतरेगा आदित्य एल1, इसरो प्रमुख ने बताया सौर मिशन

श्रीहरिकोटा । भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस सोमनाथ ने बताया कि सौर मिशन आदित्य एल1 6 जनवरी को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज पॉइंट 1 (एल1) पर पहुंचेगा । यहां से स्पेस शिप बिना किसी बाधा के सूर्य का अध्ययन करेगी । यह मिशन इसी साल सितंबर में शुरू किया गया था ।आईआईटी बंबई के एनुअल साइंस और टेक्नॉलजी प्रोग्राम 'टेकफेस्ट 2023' में बतौर गेस्ट पहुंचे इसरो प्रमुख सोमनाथ ने कहा, आदित्य एल1 अब करीब-करीब वहां पहुंच चुका है । आदित्य एल1 6 जनवरी को शाम 4 बजे लैग्रेंज पॉइंट पर पहुंच जाएगा । हम आदित्य एल1 के इंजन को बहुत नियंत्रित तरीके से ऑपरेट करेंगे, ताकि वह हेलो ऑर्बिट नामक कक्षा में प्रवेश कर सके ।'बता दें कि 'लैग्रेंज पॉइंट' वह क्षेत्र है जहां पृथ्वी और सूर्य के बीच गुरुत्वाकर्षण निष्क्रिय हो जाएगा । सोमनाथ ने कहा कि गुरुत्वाकर्षण पूरी तरह बेअसर होना संभव नहीं है, क्योंकि चंद्रमा, मंगल, शुक्र जैसे अन्य पिंड भी हैं । उन्होंने कहा कि सभी छह पेलोड का परीक्षण किया जा चुका है और वे अच्छे से काम कर रहे हैं । उन्होंने कहा कि सभी से बहुत अच्छी जानकारी मिल रही है । भारत के चंद्रयान-3 के बारे में सोमनाथ ने कहा कि डेटा एकत्र करने में अपने योगदान के 14 दिनों के बाद प्रज्ञान रोवर चंद्रमा की सतह पर हमेशा के लिए खत्म हो चुका है । हम उम्मीद कर रहे थे कि यह फिर से एक्टिव हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ ।

नए साल में लोगों को यह तोहफा देने को तैयार मोदी सरकार

नई दिल्ली । साल 2024 में लोकसभा चुनाव हैं । इसके लिए केंद्र की मोदी सरकार जनता को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बड़ी राहत देने की तैयारी में है । मोदी सरकार ने नए साल के मौके पर पेट्रोल और डीजल की कीमत में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती करने का फैसला किया है । रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले पेट्रोल और डीजल की कीमत में 10 रुपये प्रति लीटर की कमी हो सकती है, वित्त मंत्रालय इस संबंध में अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रहा है । अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले कुछ दिनों से कच्चे तेल की कीमतों में नरमी देखी जा रही है, जिससे भारत में ईंधन की कीमतें कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है । केंद्रीय वित्त मंत्रालय जल्द ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती की योजना बना रहा है । बताया जा रहा हैं कि पेट्रोल और डीजल की कीमत में 10 रुपये प्रति लीटर तक की कमी हो सकती है । इसके पहले करीब दो साल पहले केंद्र सरकार ने पेट्रोल की कीमत में 8 रुपये और डीजल की कीमत में 6 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी । फिलहाल दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 96.71 रुपये जबकि डीजल की कीमत 89.62 रुपये प्रति लीटर है । फिलहाल महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई और कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु सहित देश के कई शहरों में ईंधन की कीमतें 100 रुपये प्रति लीटर के आसपास हैं ।

पूर्व सांसद जयाप्रदा पर कसा कानूनी शिकंजा

रामपुर । रामपुर से पूर्व सांसद जया प्रदा पर कानूनी शिकंजा कसता जा रहा है । दो मामलों में वारंट के बाद भी कोर्ट में हाजिर न होने पर उनकी गिरफ्तारी को पुलिस ने जयाप्रदा के दिल्ली और मुम्बई के ठिकानों पर छापे मारे । जया प्रदा अभी तक पुलिस के हाथ नहीं आयी हैं । पुलिस 10 जनवरी को उन्हें कोर्ट में पेश करना चुनौती है । जया प्रदा रामपुर सीट से लोकसभा चुनाव 2019 में भाजपा के टिकट से उतरी थीं । उनके खिलाफ स्वार और केमरी थाने में चुनाव आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज हुआ था । स्वार में दर्ज मामले में उन पर आचार संहिता लागू होने के बावजूद 19 अप्रैल को नूरपुर गांव में सड़क का उद्घाटन करने का आरोप है । दोनों मामलों में पुलिस ने जांच पूरी कर आरोप पत्र अदालत में दाखिल कर दिए थे । मामले की सुनवाई रामपुर एमपी- एमएलए स्पेशल कोर्ट में चल रही है । इन मामलों में पिछली कई तारीखों से जया प्रदा कोर्ट में पेश नहीं हो रही थीं । इस पर उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए थे । कोर्ट ने पुलिस अधीक्षक को एक टीम का गठन कर गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे । कोर्ट से निर्देश के बाद पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने एक टीम को दिल्ली और मुंबई के लिए रवाना किया ।

पीएम मोदी की हिन्दुवादी छवि और राष्ट्रवाद के तिलिस्म को तोड़ पाएगी कांग्रेस

14 जनवरी से भारत न्याय यात्रा पर निकल रहे राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में कुछ माह का समय शेष रह गया है। सियासी दलों ने इसके लिए अपनी-अपनी गोटी सेट करनी शुरु कर दी है। विपक्षी इंडिया गठबंधन की धुरी कांग्रेस ने भी अब अपने सबसे बड़े नेताओं में से एक पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को मैदान में उतारने का ऐलान कर दिया है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब कांग्रेस ने पूर्वोत्तर के मणिपुर से महाराष्ट्र के मुंबई तक राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा की घोषणा कर दी है।

राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू होकर 20 मार्च को महाराष्ट्र के मुंबई पहुंचकर संपन्न होगी। राहुल 67 दिन की यात्रा के दौरान 6200 किलोमीटर की दूरी तय करने वाले हैं। कांग्रेस की रणनीति यात्रा के जरिए 14 राज्यों की 355 लोकसभा सीटों को कवर करने की है। मणिपुर टू मुंबई यह भारत न्याय यात्रा नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान और गुजरात से होकर गुजरेगी।

भारत न्याय यात्रा का जो रूट कांग्रेस ने तैयार किया है, इसमें शामिल राज्यों में फिलहाल कांग्रेस की स्थिति बहुत खराब है। इन 14 राज्यों में लोकसभा की कुल 355 सीटें हैं। मणिपुर में 2, नगालैंड में 1, असम में 14, मेघालय में 2, पश्चिम बंगाल में 42, बिहार में 40, झारखंड में 14, ओडिशा में 21, छत्तीसगढ़ में 11, उत्तरप्रदेश में 80, मध्यप्रदेश में 29, राजस्थान में 25, गुजरात में 26 और महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं। इन राज्यों में कांग्रेस की हालत पतली है। जिस मणिपुर से कांग्रेस की यात्रा शुरू होनी है, 2019 के चुनाव में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी थी। नगालैंड में भी पार्टी शून्य पर सिमट गई थी। वहीं असम की 14 में से कांग्रेस को तीन सीटों पर जीत मिली थी।

कांग्रेस के लिए हिंदी बेल्ट, खासकर यूपी और बिहार जैसे राज्यों में मंडल बनाम कमंडल यानी राममंदिर की लहर की काट तलाशने के लिए चुनौती होगी। भारत न्याय यात्रा नाम को इस बात का इशारा माना जा रहा है कि कांग्रेस का जोर जातीय, खासकर ओबीसी पॉलिटिक्स को धार देने की रणनीति पर होगा। जातीय जनगणना की मांग संसद से लेकर राज्यों के चुनाव तक, हर संभावित मंच पर कांग्रेस उठाती रही है।

सामाजिक न्याय यूपी और बिहार की राजनीति में एक बड़ा फैक्टर रहा है। यूपी में बीजेपी की गठबंधन सहयोगी सुभासपा, अपना दल सोनेलाल और निषाद पार्टी जैसे दलों के साथ ही बिहार में राष्ट्रीय जनता दल जैसी पार्टियों की सियासत का आधार भी सामाजिक न्याय ही है। कांग्रेस की रणनीति अब कमंडल की काट के लिए जातीय वोट बैंक में आधार तलाशने की हो सकती है। बीजेपी ने तीन राज्यों की सरकार के द्वारा जातीय समीकरणों का जो गुणा-गणित सेट किया है, उस नई सोशल इंजीनियरिंग की काट भी कांग्रेस के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। बीजेपी ने मध्य प्रदेश में सरकार की कमान मोहन यादव को सौंपकर यूपी और बिहार के यादव मतदाताओं को भी एक संदेश दे दिया है, वहीं भजनलाल शर्मा को सीएम बनाकर ब्राह्मणों और विष्णुदेव साय के जरिए आदिवासियों को संदेश दे दिया हैं। इसके बाद कांग्रेस के लिए चुनौती और भी कड़ी मानी जा रही है।

लद्दाख में 29 सड़कों के निर्माण के लिए 1100 करोड़ आवंटित : गडकरी

नई दिल्ली । सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में यातायात को सुगम बनाने के लिए वहां सड़कों का जाल बिछाने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त कर कहा कि राज्य के लिए 29 सड़क परियोजनाओं के निर्माण के लिए धनराशि आवंटित कर दी है ।

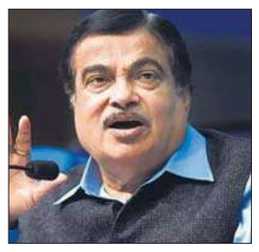

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि लद्दाख में राज्य राजमार्ग, प्रमुख और अन्य जिला सड़कों सहित 29 सड़क परियोजनाओं का निर्माण किया जाएगा और इसके लिए 1170.16 करोड़ रुपए आवंटित हुए हैं । उन्होंने कहा कि पहाड़ी राज्य में सड़कों को जोड़ने के लिए पुलों के निर्माण को भी महत्व दिया गया है और इसके तहत वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सीआरआईएफ योजना के अंतर्गत और पुलों का निर्माण भी किया जाएगा और इस काम के लिए 181.71 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं । केंद्रीय मंत्री ने कहा कि क्षेत्रफल के हिसाब से यह देश का सबसे बड़ा केंद्र शासित प्रदेश और दूसरा सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य है । उनका कहना था कि लद्दाख इन अनुमोदित पहलों के माध्यम से अपने दूरदराज के गांवों तक बेहतर कनेक्टिविटी का साक्षी बनेगा । श्री गडकरी ने कहा कि इस वृद्धि से विशेष रूप से कृषि और पर्यटन में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की आशा है, जिससे लद्दाख के समग्र ढांचागत विकास में योगदान मिलेगा ।

तेजस्वी को सीएम बनाना चहते हैं लालू यादव, हड़बड़ी देख असहज हुए नीतीश

नई दिल्ली (एजेंसी)। लालू प्रसाद यादव द्वारा तेजस्वी यादव को सीएम बनाने की हड़बड़ी देख नीतीश कुमार भी असहज हो गए। हालांकि वह लगातार नीतीश से मिल रहे हैं, लेकिन किंग्रेस की व्यस्तता के कारण गठबंधन इंडिया ने कोई खास काम नहीं किया। अब जबकि 1974 के आंदोलन से निकले समाजवादी नेता और बिहार की राजनीति में बड़े भाई-छोटे भाई के नाम से मशहूर लालू यादव और नीतीश कुमार 74 दिन से एक-दूसरे के घर नहीं गए हैं। 16 अक्टूबर को जेडीयू के सर्वोच्च नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आखिरी बार लालू यादव से मिलने पूर्व सीएम राबड़ी देवी के आवास गए थे। उससे पहले कभी लालू सीएम आवास तो कभी नीतीश राबड़ी आवास लगातार आ-जा रहे थे। विधानसभा के चुनावों में कांग्रेस की व्यस्तता के कारण सितंबर से नवंबर तक इंडिया गठबंधन में सन्नाटा पसरा रहा। नतीजों में कांग्रेस की तगड़ी हार के बाद से दोनों पटना में नहीं मिले हैं। इंडिया गठबंधन की बैठक के लिए दोनों अलग-अलग दिल्ली गए और लौटे। मीटिंग में जो मिले बस वही मुलाकात हुई है।

राजनीतिक गलियारों में इंडिया गठबंधन की बैठक से पहले और उसके बाद नीतीश की 19 दिन लंबी चुप्पी ने कई सवाल पैदा किए हैं। उनमें सबसे बड़ा सवाल है कि क्या आरजेडी अध्यक्ष लालू यादव के राजनीतिक दबाव से नीतीश कुमार असहज हो रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि 2022 में महागठबंधन में

जेडीयू की वापसी के बाद से आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह समेत कई नेता नए साल में तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने की जो बात कर रहे थे, वो बात अब साल का अंत आते-आते विवाद का कारण बन गई है। सूत्रों के अनुसार लालू चाहते हैं कि तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाकर नीतीश राष्ट्रीय राजनीति का रुख करें ताकि उनके बेटे को 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सरकार चलाने का अनुभव हासिल हो सके। हालांकि लालू यादव को लगता है कि नीतीश की परछाई से बाहर आकर तेजस्वी बतौर सीएम अपने काम, अपनी योजनाओं और अपनी नीतियों से खुद को और आरजेडी को मजबूत कर सकेंगे। यह मौका तेजस्वी को देने का वक्त आ गया है। सूत्रों का कहना है कि लालू यह भी चाहते हैं कि जेडीयू का आरजेडी में विलय हो जाए ताकि बिहार में एक ही मजबूत समाजवादी दल रहे। अब नीतीश जेडीयू के विलय पर किसी भी चर्चा से असहज हो जाते हैं। यही वजह है कि लालू से उनकी मुलाकात थम सी गई हैं। जहां तक तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने का सवाल है, नीतीश कई बार सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि तेजस्वी उनके सब कुछ हैं और उनके उत्तराधिकारी भी। नीतीश ने बहुत पहले ये साफ कर दिया था कि 2025 का विधानसभा चुनाव तेजस्वी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा।

सिद्धारमैया ने उठाई राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने की मांग, कहा विभिन्न मुद्दों का समाधान केवल कांग्रेस के पास

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाए जाने की जमकर वकालत की। उन्होंने इसके पीछे के कारण बताते हुए कहा कि आज देश जिन मुद्दों का सामना कर रहा है, उन्हें केवल कांग्रेस ही हल कर सकती है और इसके लिए राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए।

बात दें कि सिद्धारमैया का यह बयान ऐसे समय आया है जब कुछ ही दिन पहले इंडिया अलायंस भीतर कुछ नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन का पीएम चेहरा बनाने की वकालत की थी।

बेंगलुरु में कांग्रेस के 139वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सीएम सिद्धारमैया ने कहा, देश में किसी ने भी भारत जोड़ो यात्रा जैसा नहीं किया है। अब वह (राहुल गांधी) भारत जोड़ो यात्रा का दूसरा वर्जन लाए हैं- न्याय यात्रा। ऐसा इसलिए क्योंकि देश में सबको न्याय नहीं मिला है। देश में हर किसी को- पिछड़े वर्ग, दलितों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं को न्याय मिले, इसलिए यह यात्रा राहुल गांधी की ओर से की जा रही है।सिद्धारमैया ने कहा, देश की खातिर, संविधान की रक्षा के लिए, देश की बहुसंस्कृतिवाद और संप्रभुता को बचाने के लिए और सभी को न्याय दिलाने के लिए अपने सभी मतभेदों को भुलाकर हमें एक साथ लड़ना होगा और कांग्रेस को सत्ता में वापस लाना होगा। बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले भी सिद्धारमैया ने राहुल गांधी को पीएम बनाने की वकालत की थी। सॉफ्ट (नरम) हिंदुत्व के मुद्दे पर सिद्धारमैया ने कहा, हिंदुत्व तो हिंदुत्व है। मैं एक हिंदू हूं। हिंदू और हिंदुत्व अलग-अलग हैं। क्या हमने अपने गांवों में राम मंदिर नहीं बनाए? क्या हम राम की पूजा और भजन नहीं करते? मैं भी अपने गांव में भजन करने जाता था। क्या हम हिंदू नहीं हैं? हम भी हिंदू हैं।

कांग्रेस को आंख दिखाकर बोली ममता, बंगाल में टीएमसी ही भाजपा को हरा सकती

कोलकाता (एजेंसी)। जनवरी के पहले सप्ताह में कांग्रेस इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा कर सकती है। इस बीच पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी लगातार कांग्रेस को आंखें दिखाने की कोशिश कर रही है। शुक्रवार को फिर से ममता बनर्जी ने दो टूक कहा है कि बंगाल में केवल तृणमूल कांग्रेस ही भाजपा को सबक सिखा सकती है। इसका मतलब साफ है कि दीदी ने कांग्रेस के साथ-साथ इंडिया गठबंधन में शामिल लेफ्ट के नेताओं को भी संदेश दे दिया है कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और इंडिया गठबंधन में भी राज्य में इसकी भूमिका बड़ी रहनी चाहिए। बता दें कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस आमने-सामने होते हैं। इसके अलावा वामपंथी दल और कांग्रेस के बीच गठबंधन भी बंगाल में रहता है, जिसका सीधा मुकाबला ममता की पार्टी टीएमसी से होता है। ममता ने कहा इंडिया गठबंधन पूरे देश में होगा। बंगाल में टीएमसी लड़ेगी और बीजेपी को हराएगी। उन्होंने कहा कि याद रखें, बंगाल में केवल टीएमसी ही बीजेपी को सबक सिखा सकती है, कोई अन्य पार्टी नहीं। इसके पहले उन्होंने कहा था कि भाजपा नागरिकता के मुद्दे का इस्तेमाल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए कर रही है। भाजपा इस मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रही है। पहले, जिलाधिकारी नागरिकता से जुड़े मामलों का फैसला करते थे, लेकिन अब राजनीति के लिए उनसे ये शक्तियां छीन ली गई हैं। ममता ने आरोप लगाया कि नागरिकता का मुद्दा उठाने के पीछे भाजपा का एजेंडा धार्मिक आधार पर लोगों को बांटना है।

नौकरियों की कमी, महंगाई के आरोप पर सामने आया पीएम मोदी का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाधाओं और वैश्विक संकटों के बावजूद, भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के लिए उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है। इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने नौकरियों की कमी और बढ़ती महंगाई के विपक्ष के आरोपों का जवाब दिया। पीएम मोदी ने कहा कि आइए आरोपों को किनारे रखें और तथ्यों पर चर्चा करें। सदी में एक बार आने वाली महामारी और वैश्विक संघर्षों के कारण वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं को बाधित करने और यहां तक ??कि दुनिया भर में मंदी का दबाव पैदा करने वाले दो वर्षों के बावजूद, भारत ने उल्लेखनीय फ्लेंसीबिलिटी पर बात करें।

पीएम मोदी ने कहा कि भारी बाधाओं, वैश्विक संकटों, आपूर्ति श्रृंखला टूटने और बुनियादी वस्तुओं की वैश्विक कीमतों पर असर डालने वाले भू-

राजनीतिक तनाव के बावजूद, 2014-15 से 2023-24 (नवंबर तक) तक औसत मुद्रास्फीति केवल 5.1 प्रतिशत थी, जबकि पिछले 10 वर्षों के दौरान यह 8.2 प्रतिशत थी। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत की खुदरा मुद्रास्फीति अक्टूबर में चार महीने के निचले स्तर 4.8 प्रतिशत पर गिरने के बाद नवंबर में 5.55 प्रतिशत थी। नवंबर में खाद्य मुद्रास्फीति 8.70 प्रतिशत दर्ज की गई।

नौकरियों की कमी के आरोप पर पीएम मोदी ने कहा कि युवाओं को रोजगार मुहैया कराना उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। पीएम मोदी ने कहा कि यह सर्वविदित है कि बुनियादी ढांचे में निवेश का विकास और रोजगार पर कई गुना प्रभाव पड़ता है। इसलिए, हमने पूंजी निवेश परिव्यय में लगातार वृद्धि की है। 2023-24 के बजट ने इसे 1.9 रुपये से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपये कर दिया है। 2013-14 में लाख करोड़। मेरा मानना ??है कि आपको अपने पाठकों को बताना चाहिए कि यह व्यय कैसे उत्पादक है और आम आदमी के लिए इतने सारे अवसर पैदा करता है।

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान के प्रोफेसरों ने वेटरन्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीते पदक

पब्लिक एशिया ब्यूरो

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों प्रो. संदीप तिवारी, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. राजबीर सिंह, डॉ. मान सिंह, और डॉ. एकता भूषण संतसंगी, ने वेटरन्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीते। वेटरन्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप 23.12.2023 को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित की गई थी। यह कार्यक्रम दिग्गजों के एथलेटिक कौशल का सम्मान करने और जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया था।

प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित वेटरन्स एथलेटिक चैंपियनशिप में विभिन्न विषयों के अनुभवी एथलीटों ने अपनी खेल भावना और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। हमारे संकाय सदस्यों ने जुनून और दृढ़ संकल्प के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए विभिन्न ट्रैक और फील्ड कार्यक्रमों में भाग लिया एवं पदक जीतें जो उनके समर्पण और एथलेटिक कौशल का उदाहरण है। पदक उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा इस प्रकार है:-

क्रमांक प्रतिभागी पद खेल पदक आयु वर्ग

1. प्रो.संदीप तिवारी प्राचार्य (कार्यवाहक) गोला फेंक स्वर्ण पदक 55-60 yrs भाला फेंक स्वर्ण पदक

2. प्रो. प्रदीप कुमार प्राध्यापक लंबी छलांग स्वर्ण पदक 60-65 yrs 200 मीटर दौड़ रजत पदक भाला फेंक कांस्य पदक

3. प्रो राजबीर सिंह प्राध्यापक गोला फेंक रजत पदक भाला फेंक रजत पदक

4. डॉ मान सिंह सह – प्राध्यापक लंबी छलांग स्वर्ण पदक 55-60yrs

5. डॉ. एकता भूषण सत्संगी सह – प्राध्यापक 100 मीटर दौड़ स्वर्ण पदक 40-45 yrs 200 मीटर दौड़ रजत पदक 1500 मीटर दौड़ रजत पदक

वेटरन्स एथलेटिक चैंपियनशिप में आईजीपीईएसएस के संकाय सदस्यों की उपलब्धि न केवल फिटनेस और कल्याण के प्रति उनके व्यक्तिगत समर्पण को दर्शाती है, बल्कि संस्थान को सम्मान और मान्यता भी दिलाती है। उनकी सफलता उम्र की परवाह किए बिना स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने के महत्व का प्रमाण है।

इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान के प्रोफेसरों ने वेटरन्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीते पदक

पब्लिक एशिया ब्यूरो

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों प्रो. संदीप तिवारी, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. राजबीर सिंह, डॉ. मान सिंह, और डॉ. एकता भूषण संतसंगी, ने वेटरन्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीते। वेटरन्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप 23.12.2023 को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित की गई थी। यह कार्यक्रम दिग्गजों के एथलेटिक कौशल का सम्मान करने और जश्न मनाने के लिए आयोजित किया गया था।

प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित वेटरन्स एथलेटिक चैंपियनशिप में विभिन्न विषयों के अनुभवी एथलीटों ने अपनी खेल भावना और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। हमारे संकाय सदस्यों ने जुनून और दृढ़ संकल्प के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए विभिन्न ट्रैक और फील्ड कार्यक्रमों में भाग लिया एवं पदक जीतें जो उनके समर्पण और एथलेटिक कौशल का उदाहरण है। पदक उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा इस प्रकार है:-

क्रमांक प्रतिभागी पद खेल पदक आयु वर्ग

1. प्रो. संदीप तिवारी प्राचार्य (कार्यवाहक) गोला फेंक स्वर्ण पदक 55-60 yrs भाला फेंक स्वर्ण पदक

2. प्रो. प्रदीप कुमार प्राध्यापक लंबी छलांग स्वर्ण पदक 60-65 yrs 200 मीटर दौड़ रजत पदक भाला फेंक कांस्य पदक

3. प्रो राजबीर सिंह प्राध्यापक गोला फेंक रजत पदक भाला फेंक रजत पदक

4. डॉ मान सिंह सह - प्राध्यापक लंबी छलांग स्वर्ण पदक 55-60yrs

5. डॉ. एकता भूषण सत्संगी सह - प्राध्यापक 100 मीटर दौड़ स्वर्ण पदक 40-45 yrs 200 मीटर दौड़ रजत पदक 1500 मीटर दौड़ रजत पदक

वेटरन्स एथलेटिक चैंपियनशिप में आईजीपीईएसएस के संकाय सदस्यों की उपलब्धि न केवल फिटनेस और कल्याण के प्रति उनके व्यक्तिगत समर्पण को दर्शाती है, बल्कि संस्थान को सम्मान और मान्यता भी दिलाती है। उनकी सफलता उम्र की परवाह किए बिना स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने के महत्व का प्रमाण है।

INSIDE KASHMIR
SPORTS
Srinagar, Saturday 30 December 2023
Vist us on: www.insidekashmir.net/in

Professors of Indira Gandhi Institute of Physical Education and Sports Sciences win medals in Veterans Athletics Championship.

Rakesh Thapliyal

New Delhi. Faculty members of Indira Gandhi Institute of Physical Education and Sports Sciences, University of Delhi, Prof. Sandeep Tiwari, Prof. Pradeep Kumar, Prof. Rajbir Singh, Dr. Man Singh, and Dr. Ekta Bhushan Satsangi, won medals in the Veterans Athletics Championship.

Veterans Athletics Championship was held on 23.12.2023 at Jawaharlal Nehru Stadium. The event was held to honor and celebrate the athletic prowess of veterans.

Veteran athletes from various disciplines showcased their sportsmanship and sportsmanship at the Veterans Athletic Championship held at the prestigious Jawaharlal Nehru Stadium. Our faculty members compete with passion and determination in various track and field events and win medals which exemplify their dedication and athletic prowess. The details of medal achievements are as follows:-

Medal winners

1 Prof. Sandeep Tiwari Principal (Acting) Shot Put Gold Medal 55-60 yrs
javelin throw gold medal.

2 Prof. Pradeep Kumar Long Jump Gold Medal 60-65 yrs
200 meter race silver medal
javelin throw bronze medal

3 Prof. Rajbir Singh Shot Put Silver Medal and
Javelin throw silver medal

4 Dr. Man Singh Long Jump Gold Medal 55-60 yrs

5 Dr. Ekta Bhushan Satsangi 100 meter race gold medal 40-45 yrs.
200 meter race silver medal
1500 meter race silver medal.

The accomplishments of IGPESS faculty members at the Veterans Athletic Championships not only reflect their individual dedication to fitness and wellness, but also bring honor and recognition to the institution. Their success is a testament to the importance of promoting a healthy and active lifestyle regardless of age.

वेटरन एथलेटिक चैंपियनशिप में प्रोफेसरों का दबदबा, जीते पदक

जासं, नई दिल्ली: जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित वेटरन एथलेटिक चैंपियनशिप में दिल्ली विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान के संकाय सदस्यों का दबदबा रहा।

इसमें प्रो. संदीप तिवारी, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. राजबीर सिंह, डा. मान सिंह और डा. एकता भूषण सत्संगी ने विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में पदक जीते। 55-60 आयु वर्ग में प्रो. संदीप तिवारी ने गोला फेंक और भाला फेंक में स्वर्ण पदक हासिल किए। इसी आयु वर्ग में डा. मान सिंह ने लंबी कूद में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। 60-65 आयु वर्ग में प्रो. प्रदीप कुमार ने लंबी कूद में स्वर्ण, दो सौ मीटर दौड़ में रजत और भाला फेंक में कांस्य पदक जीता। प्रो. राजबीर सिंह ने गोला और भाला फेंक में रजत पदक जीता। 40-45 आयु वर्ग में डा. एकता भूषण सत्संगी सौ मीटर दौड़ में स्वर्ण, दो सौ और 1500 मीटर दौड़ में रजत पदक जीते।